Shri Ram Aarti lyrics

श्री राम चंद्र कृपालु भजमन हरण भाव भय दारुणम्

नवकंज लोचन कंज मुखकर कंज पद कन्जारुणम्

कंदर्प अगणित अमित छवी नव नील नीरज सुन्दरम्

पट्पीत मानहु तडित रूचि शुचि नौमी जनक सुतावरम्

भजु दीन बंधु दिनेश दानव दैत्य वंश निकंदनम्

रघुनंद आनंद कंद कौशल चंद दशरथ नन्दनम्

सिर मुकुट कुण्डल तिलक चारु उदारू अंग विभूषणं

आजानु भुज शर चाप धर संग्राम जित खर-धूषणं

इति वदति तुलसीदास शंकर शेष मुनि मन रंजनम्

मम ह्रदय कुंज निवास कुरु कामादी खल दल गंजनम्

मनु जाहिं राचेऊ मिलिहि सो बरु सहज सुंदर

सावरों करुना निधान सुजान सिलू सनेहू जानत रावरो

एही भांती गौरी असीस सुनी सिय सहित हिय हरषी अली तुलसी भवानी: पूजि पूनी पूनी

मुदित मन मंदिर चली जानि गौरी अनुकूल सिय हिय हरषु न जाइ कहि मंजुल मंगल मूल वाम अंग फरकन लगे

Source: https://sociallover.net/shri-ram-aarti/